ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–57
दिनांक– शुक्रवार, 01 अगस्त, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.3 एवं 25.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 80 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.1 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.3 एवं दोपहर में 35.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 48.8 मि0मी0 वर्षा हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(02–06 अगस्त, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 02–06 अगस्त, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि उत्तर बिहार के जिलो में अगले 48 घंटो में मध्यम वर्षा हो सकती है। साथ ही कही – कही गरज के साथ बिजली गिरने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 33–35 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 27–28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 8 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- मौसम पूर्वानुमान की अवधि में बर्षा की संभावना को देखते हुए धान की रोपाई कृषक बंधु यथाशीघ्र समाप्त करने का प्रयास करें। जिनके पास बिचड़ा उपलब्ध हो 10 अगस्त तक ही धन की रोपाई करे।
- खरीफ मक्का की फसल में कीट–व्याधियों एवं फफूंदी धब्बों की निगरानी करतें रहें। कीट अथवा रोग की उपस्थिती में उपचार हेतु अनुषंसित दवा का छिड़काव करे। मक्का की 30–35 दिनों वाली फसल में बछनी कर 40 किलोग्राम नेत्रजन का व्यवहार करें। खड़ी फसलों एवं नर्सरी में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की शुरुवाती रोक–थाम के लिए बैगन की रोपाई के 10 दिनों बाद 1 ग्राम फ्युराडान 3 जी0 दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला दें।
- हल्दी, अदरक, ओल और बिगत माह बोयी गई बरसाती सब्जियों में आवश्यकतानुसार निकाई–गुडाई करें। इन फसलों में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- इस मौसम में लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी, और खीरा में फल मक्खीयों से होने वाले नुकसान में बढ़ोत्तरी हो जाती है। सर्वप्रथम फल मक्खी से क्षतिग्रस्त सब्जियो की तुराई कर गड्ढे में दवा दे। इससे बचाव हेतु मिथाइल यूजीनोल ट्रेप का प्रयोग करें।
- खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम स्फुर एवं 80 किलोग्राम पोटाष के साथ 20 किलोगाम सल्फर का व्यवहार करें। प्याज के पौध की रोपाई के लिए खेतो को समतल कर छोटी–छोटी उथली क्यारियाँ बनावें, जिसकी चौड़ाई 2 मीटर एवं लम्बाई 3 से 5 मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवश्य बनावें। जिन किसान भाई का प्याज का पौध 45–50 दिनों का हो गया हो वे पाँक्ति से पाँक्ति की दूरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दूरी 10 से0मी0 पर रोपाई करें। पिछात बोयी गई प्याज की पौधशाला में नियमित रूप से कीट एवं रोग–व्याधि की निगरानी करतें रहें। स्वस्थ एवं सुडौल पौध के लिए पौधशाला से खरपतवार को निकालते रहें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च–3, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काषी अनमोल तथा संकर किस्में अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी0एस0एस0–267 अनुशंसित है। बीज को गिराने से पूर्व थीरम 75 प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- पपीता की नर्सरी उथली क्यारियों (10–15 सेन्टी मीटर ऊँची) में बोयें। इसके लिए उन्नत प्रभेद पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, पूसा डीलीसीयस, सी0ओ0– 07, सुर्या एवं रेड लेडी है। बीजदर 300–350 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बीज को वैविस्टन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित कर क्यारियों में 07–10 सेन्टीमीटर की दूरी पर बोयें।

आज का अधिकतम तापमानः 35.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी